



भारत का राजापत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 4
PART II—Section 4

शासकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 12]

नई दिल्ली, मंगलवार, तितम्बर 23, 1986/आश्विन 1, 1908

No. 12]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 23, 1986/ASVINA 1, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वा जाती हैं जिससे इक यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

रक्षा मंत्रालय

(2) ये नियम निम्नलिखित को लागू नहीं होंगे—

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1986

प्रधिकृतना

(क) ऐसे गरकारी सेवक जो समूह "क" सेवा में हैं या कोई समूह
"क" पर ध्वारण किए हुए हैं;

का.नि.ग्रा. 12(प्र).—राष्ट्राभित्र, संविधान के अनुच्छेद 309 के
परन्तु कार्यालय प्रश्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम
बनाते हैं, प्रथमतः—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रक्षा
सेवा सिविलियन (पुनरायित वेतन) नियम, 1986 है।

(2) ये 1 अक्टूबर, 1986 को प्रवृत्त हुए माने जाएंगे।

2. सरकारी सेवकों के प्रवर्ग, जिनको नियम लागू होंगे—

(1) इन नियमों द्वारा या उनके प्रवीन अंतरा प्रत्यया उपलब्धित है,
उनके निवाय, वे नियम जन के कार्यकालों के संबंध में सिविल सेवाओं
और रक्षा वेतनों के पर्याय विवृत व्यक्तियों की जिनका वेतन रक्षा
सेवा प्रावक्षण में विवरित है, लागू होते हैं।

(ब) भूषणपूर्व भारतीय राज्यों के ऐसे स्थायी कर्मचारी जिन्हें सब
के कार्यकालों के संबंध में सिविल सेवाओं और पर्याय पर सम्बन्धित
नियम दिया गया है, किन्तु जो केन्द्रीय सिविल सेवा (भाग द्व
रा स्थानांतरित कर्मचारी) नियम, 1953 के प्रवीन सेवा की
प्रावेदन-पूर्व जाती से शासित होते हैं;

(द) ऐसे व्यक्ति जिन्हें विदेश में राजनयिक, कार्यालय या प्रथम
भारतीय स्थानों में सेवाओं के लिए स्थानीय रूप से भर्ती किया
गया है;

(१) ऐसे व्यक्ति जो पूर्ण-कालिक नियोजन में नहीं है;

(२) ऐसे व्यक्ति जिन्हें भाकस्मिकताओं में से संदाय किया जाता है;

(३) ऐसे व्यक्ति जिन्हें मासिक प्रावधार से प्रत्यया संदाय किया जाता
है, जिनके ब्रह्मांड ऐसे व्यक्ति भी हैं जिनको केवल मासानुपाती
प्रावधार पर संदाय किया जाता है;

(ल) ऐसे व्यक्ति जो, वहाँ के सिव्य जड़ नाम्रता में प्राप्त उपवित्र है, संविदा पर नियोजित हैं;

(ज) ऐसे व्यक्ति जो सेवा निवृत्ति के पश्चात् सरकारी सेवा में पुनर्नियोजित हैं;

(झ) किसी अन्य वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्ति जिन्हें राष्ट्रपति, आदेश द्वारा, इन नियमों में अन्तर्विष्ट सभी या किन्हीं उपवंशों के प्रवर्तन से विनिर्दिष्ट रूप से अपवर्जित करें।

3. परिस्थापाण

इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(1) “मूल वेतन” से मूल नियम 9(2)(क)(i) में यथापरिभावित वेतन अभिप्रेत है;

(2) किसी सरकारी सेवक के संबंध में “विद्यमान वेतनमान” से चाहे किसी अधिकारीया या स्थानापन्न हैसियत में 1 जनवरी, 1986 को सरकारी सेवक द्वारा वारित पद को लागू वर्तमान वेतनमान (या, यथास्थिति, उसको लागू वयक्तिक वेतनमान) अभिप्रेत है;

स्पष्टीकरण : ऐसे किसी सरकारी सेवक की दशा में जो 1 जनवरी, 1986 को भारत के बाहर प्रतिनियुक्त या छुट्टी पर या अन्यत्र सेवा में था या जो उस तारीख को, एक या अधिक निम्नतर पदों पर स्थानापन्न रहता, यदि वह किसी उच्चतर पद पर स्थानापन्न नहीं होता, ‘विद्यमान वेतनमान’ के अन्तर्गत उस पद को लागू वह वेतनमान भी है जिसे वह धारणा करता, यदि वह भारत के बाहर प्रतिनियुक्त पर या छुट्टी पर या अन्यत्र सेवा में नहीं लेर्ता या, यथास्थिति, किसी उच्चतर पद पर स्थानापन्न नहीं होता।

(3) पहली अनुसूची के स्तरम् 2 में विनिर्दिष्ट किसी पद के संबंध में “वर्तमान वेतनमान” से उसके स्तरम् 3 में उस पद के सामने विनिर्दिष्ट वेतनमान अभिप्रेत है;

(4) “पुनरीक्षित उपलब्धियों” से पुनरीक्षित वेतनमान में किसी सरकारी सेवक का मूल वेतन अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त, उसे अनुज्ञेय पुनरीक्षित प्रैक्टिस बंदी भ्रता, यदि कोई है, भी है;

(5) पहली अनुसूची के स्तरम् 2 में विनिर्दिष्ट किसी पद के संबंध में “पुनरीक्षित वेतनमान” से उसके स्तरम् 4 में उस पद के सामने विनिर्दिष्ट वेतनमान अभिप्रेत है, जब तक कि उस पद के लिए कोई मिल पुनरीक्षित वेतनमान पृथक रूप से अधिसूचित नहीं किया जाता है; और

(6) “अनुसूची” से इन नियमों से उपबद्ध अनुसूची अभिप्रेत है।

4. पदों का वेतनमान—इन नियमों के प्रारंभ की तारीख से, पहली अनुसूची के स्तरम् 2 में विनिर्दिष्ट प्रत्येक पद का वेतनमान वह होगा जो उसके स्तरम् 4 में उसके सामने विनिर्दिष्ट है।

5. पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन प्राप्त करना—इन नियमों में जैसा अन्यथा उपलब्धित है उसके सिवाय, सरकारी सेवक उस पद को, जिस पर वह नियुक्त किया गया है, लागू पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन प्राप्त करेगा:

परन्तु कोई सरकारी सेवक उस तारीख तक विद्यमान वेतनमान में वेतन प्राप्त करते रहने का निश्चय कर सकेगा जब तक कि वह विद्यमान वेतनमान में अपनी अगली या कोई पश्चात्वर्ती वेतन वृद्धि अर्जित नहीं कर लेता है या जब तक कि वह अपना पद रिक्त नहीं कर रहा है या उस वेतनमान में वेतन प्राप्त करना बंद नहीं कर रहा है।

स्पष्टीकरण : 1. इस नियम के परन्तुके अधीन विद्यमान वेतनमान वेतनमान प्रतिधारित करने का विकल्प केवल एक विद्यमान वेतनमान की बाबत

स्पष्टीकरण-2 पूर्वोक्त विकल्प ऐसे किसी व्यक्ति को अनुज्ञय नहीं होगा जो 1 जनवरी, 1986 को अथवा उसके पश्चात् किसी पद पर चाहे सरकारी सेवा में पहली बार, या किसी अन्य पद से स्थानांतरण या प्रोफेशन द्वारा, नियुक्त किया गया है और उसे केवल पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन अनुज्ञात किया जाएगा।

स्पष्टीकरण-3: जहाँ कोई सरकारी सेवक नियमित आधार पर स्थानापन्न हैसियत में उसके द्वारा आरित किये पद की बाबत विद्यमान वेतनमान प्रतिधारित करने के लिए मूल नियम 22 या मूल नियम 31 या उस पद को लागू किसी अन्य नियम या आदेश के अधीन उस वेतनमान में वेतन के वित्तियमान के प्रयोजन के लिए इस नियम के परन्तुके अधीन विकल्प का प्रयोग करता है, तो उसका अधिकारीया वेतन वह अधिकारीया जिसे वह तब प्राप्त करता जब वह अधिकारीया वेतनमान प्रतिधारित करता जिस पर उसका कोई वारणाधिकार है या धारणाधिकार होता यदि धारणाधिकार समाप्त नहीं किया गया होता, या स्थानापन्न पद का वेतन, जिसने तत्समय प्रवृत्त किसी आदेश के अनुसार अधिकारीया वेतन का रूप ले लिया है, इन दोनों में से जो भी अधिक हो, होगा।

6. विकल्प का प्रयोग:—(1) नियम 5 के परन्तुके अधीन विकल्प का प्रयोग दूसरी अनुसूची से उपबद्ध प्रैक्टिस में लिखित रूप में किया जाएगा जिससे कि वह सरकारी राजपद में इन नियमों के प्रकाशन की तारीख के तीन मास के भीतर, या जहाँ विद्यमान वेतनमान उस तारीख के पश्चात् किए गए किसी आदेश द्वारा पुनरीक्षित किया गया है, वहाँ ऐसे आदेश की तारीख के तीन मास के भीतर उक्त प्राधिकारी को पहुंच जाए; और

परन्तु यह कि :—

(i) ऐसे किसी सरकारी सेवक की दशा में जो यथास्थिति ऐसे प्रकाशन की तारीख को या ऐसे आदेश की तारीख को, भारत के बाहर छुट्टी पर या प्रतिनियुक्त या अन्यत्र सेवा या सक्रिय सेवा में है, तो उक्त विकल्प का प्रयोग लिखित रूप में किया जाएगा जिससे कि वह भारत में उसके पद का भारप्रहण करने की तारीख के तीन मास के भीतर उक्त प्राधिकारी को पहुंच जाए; और

(ii) जहाँ कोई सरकारी सेवक 1 जनवरी, 1986 को निलंबनाधीन है वही विकल्प का प्रयोग उसके द्व्यूटी पर वापस आने की तारीख के तीन मास के भीतर किया जा सकेगा, यदि वह तारीख इस उपनियम में विहित तारीख से बाद में है।

(2) विकल्प सरकारी सेवक द्वाय अपने कार्यालय के प्रधान को संसूचित किया जाएगा।

(3) यदि विकल्प की बाबत संसूचना उपनियम (1) में वर्णित समय के भीतर प्राप्त नहीं की जाती है तो सरकारी सेवक के बारे में यह माना जाएगा कि उसने 1 जनवरी, 1986 से ही पुनरीक्षित वेतनमान से शासित होने के विकल्प का चयन कर लिया है।

(4) एक बार प्रयोग किया गया विकल्प अन्तिम होगा।

टिप्पणी : 1.—ऐसे व्यक्ति जिनकी सेवाओं को 1 जनवरी, 1986 को या उसके पश्चात् समाप्त किया गया था और जो मृत्यु, अंतर्र किए गए पदों की समाप्ति पर सेवान्मुक्ति, स्थानापन्न, अनुशासनिक आधारों पर पदव्युत्ति या सेवान्मुक्ति के कारण विहित समय परिसीमा के भीतर विकल्प का प्रयोग नहीं कर सके थे, इस नियम के कायदों के हक्कदार हैं।

टिप्पणी 2.—ऐसे व्यक्तियों के बारे में जिनकी 1 जनवरी, 1986 को या उसके पश्चात् मृत्यु हो गई थी और जो विहित समय परिसीमा के भीतर विकल्प का प्रयोग कर सके थे, यह माना जाएगा कि उन्होंने 1 जनवरी, 1986 से ही, या ऐसी पश्चात्वर्ती तारीख से जो उनके प्राप्तियों के लिए सर्वाधिक कायदाप्रद हो, पुनरीक्षित वेतनमान में विकल्प का चयन

(क) विद्यमान वेतनमान में यात्राहृत प्रक्रम से पान्त्रहृत प्रक्रम तक ऐसा प्राप्त करने वाले सरकारी सेवकों के लिए, यदि वहाँ प्रक्रम से परे एकद्वीकरण हो—वो वेतन वृद्धि करके;

(ग) विद्यमान वेतन में सीलहृत प्रक्रम से शीसवा प्रक्रम तक वेतन प्राप्त करने वाले सरकारी सेवकों के लिए, यदि पान्त्रहृत प्रक्रम से परे एकद्वीकरण हो—सीन वेतनवृद्धि करके।

यदि यात्राप्रयुक्त वेतन वृद्धिकर विद्यमान सरकारी सेवक या वेतन उस पुनरीक्षित वेतनमान में किसी प्रक्रम पर नियत किया जाता है जो उस पुनरीक्षित वेतनमान में प्रक्रम से उच्चतर है जिस पर किसी ऐसे सरकारी सेवक का, जो उसी विद्यमान वेतनमान में आगे उच्चतर प्रक्रम या प्रक्रमों पर वेतन प्राप्त कर रहा था, वेतन नियत किया जाता है, तो पश्चातवर्ती का वेतन भी ऐसा उस विद्यमान तक बढ़ाया जाएगा जिस तक वह पूर्ववर्ती के वेतन से कम नहीं है।

टिप्पण 4 : जहाँ उपनियम (1) के प्रधीन वेतन नियत करने में किसी ऐसे सरकारी सेवक का, जो विद्यमान वेतनमान में 1 अनवरी, 1986 के ढोक पहले उसी काढ़र में आगे से कनिष्ठ किसी धन्य सरकारी सेवक से अधिक वेतन प्राप्त कर रहा था, वेतन पुनरीक्षित वेतनमान में ऐसे कनिष्ठ के वेतन से निम्नतर किसी प्रक्रम पर नियत कर दिया जाता है वहाँ उसका वेतन पुनरीक्षित वेतनमान में उसी प्रक्रम पर बढ़ाया जाएगा जो कनिष्ठ का है।

टिप्पण 5 : जहाँ 1 अनवरी, 1986 को कोई सरकारी सेवक वैयक्तिक वेतन प्राप्त कर रहा है, जो, यथास्थिति, खंड (प्र), खंड (शा), खंड (इ) या खंड (ई) के अनुसार यथासंगणित उसकी विद्यमान उपस्थितियों के साथ मिलकर पुनरीक्षित उपस्थितियों से अधिक हो जाता है वहाँ ऐसे अधिक्य का उत्तर ऐसे सरकारी सेवक को वैयक्तिक वेतन के इस में वेतन में विविध में होने वाली भूमिकों में विविधित किए जाने के लिए अनुकात किया जायगा।

टिप्पण 6 : ऐसे कमवारियों की दृष्टि में, जो “हिन्दी विद्यालय संघीय” के अधीन हिन्दी प्राप्त, हिन्दी दैक्षण्य, हिन्दी आशुलिपि और ऐसी धन्य परिदृष्टांत उत्तरीण करने के लिए या 1 अनवरी, 1986 के पूर्व रोकड़ और लेखा संबंधी विविधों में सकलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने पर, वैयक्तिक वेतन प्राप्त कर रहे हैं, यथापि वैयक्तिक वेतन को पुनरीक्षित वेतनमानों में आरम्भिक वेतन नियत करने के प्रयोजनों के लिए हिन्दाद में नहीं लिया जायता, वे 1 अनवरी, 1986 को और से या बाद में उस अधिक्य के लिए जिसके लिए वे पुनरीक्षित वेतनमान में आगे वेतन नियत न होने पर उसे प्राप्त करते, पुनरीक्षित वेतनमान में आगे वेतन के नियत हो जाने के पश्चात वैयक्तिक वेतन प्राप्त करने रहेंगे। ऐसे वैयक्तिक वेतन की मात्रा उस अधिक्य के लिए जिसके लिए कमवारी उसे प्राप्त करता रहता, वेतन नियत करने की तारीख से पुनरीक्षित वेतनमान में वेतनवृद्धि की समुचित वर से अंतर भी आएगी।

सम्पूर्णकरण—इस टिप्पण के प्रयोगम के लिए पुनरीक्षित वेतनमान में वेतनवृद्धि की समुचित वर से उस प्रक्रम छीन उसके हीक एरे रकम पर जिस पर कमवारी का वेतन पुनरीक्षित वेतनमान में विषय किया जाता है अनुमंड प्रति वेतन वृद्धि भी रकम अधिक्यत है।

टिप्पण 7 : ऐसे मामलों में, जहाँ 1 अनवरी, 1986 के पहले किसी उच्चतर पद पर प्रोफेशन कोई ज्येष्ठ सरकारी सेवक पुनरीक्षित वेतनमान में आगे ऐसे कनिष्ठ से कम वेतन प्राप्त करता है जिसे 1 अनवरी, 1986 को या उसके पश्चात उच्चतर पद पर प्रोफेशन किया जाता है, ज्येष्ठ सरकारी सेवक का वेतन उस वेतन के बराबर रकम तक बढ़ाया जाना चाहिए जो उसके कनिष्ठ के लिए उस उच्चतर पद पर नियत किया जाता है। यह रकम कनिष्ठ सरकारी सेवक की धोधति की तारीख

के विवरणित वाली भी पूरा वर्तमान के प्रक्रम एहते हुए बढ़ायी जानी चाहिए, वर्तमान :-

(क) कनिष्ठ और ज्येष्ठ सरकारी सेवक वोनी उसी काढ़र के होने चाहिए और वे पद जिन पर के प्रोफेशन किए गए हैं उसी काढ़र में समान होने चाहिए,

(ख) ऐसे निम्नतर और उच्चतर पदों के, जिन पर वे वेतन प्राप्त करने के हकार हैं, पूर्व पुनरीक्षित और पुनरीक्षित वेतनमान समान होने चाहिए, और

(ग) विषमता सीधे मूल नियम 23 या पुनरीक्षित वेतनमान में ऐसी प्रोफ्रेशन पर वेतन नियत करने वाले किसी धन्य सरकारी सेवक को लागू करने के परिणामस्वरूप हीमी चाहिए। यदि निम्नतर पद पर भी कनिष्ठ अधिकारी उसे मंत्र भी गई किन्तु प्रथम वेतनवृद्धियों के कलस्वरूप पूर्व पुनरीक्षित वेतनमान में ज्येष्ठ से अधिक वेतन प्राप्त कर रहा था तो इस टिप्पण के उपर्योगों को ज्येष्ठ अधिकारी का वेतन बढ़ाने के लिए जापू करने की धोधयकता नहीं है।

उपर्युक्त उपर्योगों के अनुसार ज्येष्ठ अधिकारी का वेतन पुनरीक्षित वेतन से संबंधित आवेदन मूल नियम 27 के प्रधीन जारी किए जाने चाहिए और ज्येष्ठ अधिकारी वेतन के पुनरीक्षित वेतन के लिए जाने से तारीख से अपनी अधेक्षिण अद्वैक सेवा के पूरा करने पर अगले वेतनवृद्धि का हुकार होगा।

(2) नियम 5 के उपर्योगों के प्रधीन रहते हुए, उपनियम (1) के प्रधीन स्वामानपद पद पर यथानियत वेतन अधिकारी पद पर नियत वेतन से कम है तो पूर्ववर्ती अधिकारी वेतन के ढोक प्रक्रम पर नियत किया जायगा।

8. पुनरीक्षित वेतनमान में आगे वेतनवृद्धि की तारीख--

किसी ऐसे सरकारी सेवक की, जिसका वेतन नियम 7 के उपनियम (1) के अनुसार पुनरीक्षित वेतनमान में नियत किया गया है, अगला वेतनवृद्धि उस तारीख को भी जाएगी जिसकी वह अपनी वेतनवृद्धि सेवा यदि वह विद्यमान वेतनमान में बना रहता :

परन्तु यह कि ऐसे मामलों में, जहाँ किसी सरकारी सेवक का वेतन नियम 7 के उपनियम (1) के टिप्पण 3 या टिप्पण 4 या टिप्पण 7 के उपर्योगों के अनुसार बढ़ाया जाता है, अगला वेतनवृद्धि, पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन के बढ़ाए जाने की तारीख से बारह मास की अद्वैक सेवा के पूरा करने पर भी जाएगी :

परन्तु यह भी कि ऐसे मामलों में, जो पूर्ववर्ती वरन्सुक के अन्तर्गत आवे जाने आमलों से विल हैं, किसी ऐसे सरकारी सेवक की, जिसका वेतन 1 अनवरी, 1986 को उसी प्रक्रम पर नियत किया जाता है और वही है, जिस पर उसी काढ़र के संस्कृते कनिष्ठ धन्य सरकारी सेवक के लिए नियत किया जाता है और यह विद्यमान वेतनमान में उससे निम्नतर प्रक्रम पर वेतन प्राप्त कर रहा है, अगला वेतनवृद्धि उसी तारीख की आवेदन की विवादित वर्तमान की तारीख से आप्त है, यदि कनिष्ठ की वेतनवृद्धि की तारीख होती है :

परन्तु यह भी कि ऐसे मामलों में, जो पूर्ववर्ती वरन्सुक के अन्तर्गत आवे जाने आमलों से विल हैं, किसी ऐसे सरकारी सेवक की, जिसका वेतन 1 अनवरी, 1986 को एक वर्ष से अधिक तक विद्यमान वेतनमान का अधिकारी प्राप्त कर रहे हैं, पुनरीक्षित वेतनमान में अगला वेतनवृद्धि 1 अनवरी, 1986 को अनुसार होती है;

परन्तु यह भी कि ऐसे सरकारी सेवकों की बात में, जो 1 जनवरी, 1986 को विद्यमान वेतनमान के अधिकातम पर दो बारी से प्रधिक तरफ से होने पर तर्वर वेतनवृद्धि प्राप्त कर रहे थे, उन्हें 1 जनवरी, 1986 को पुनरीक्षित वेतनमान में एक और वेतनवृद्धि, पूर्ववर्ती परन्तुक के प्रधीन पहले ही प्रमुखात वेतनवृद्धि के अतिरिक्त, भनुमात होगी ।

टिप्पण 1 : जहाँ-जहाँ वेतन उपर्युक्त परन्तुकों के निवाखनों के प्रमुखार नियत किया गया है, वहाँ रोध, इस बात को विचार में लाए बिना कि किसी सरकारी सेवक ने विद्यमान वेतनमान में वशाता रोध पर किया था या नहीं या उस पर रुक्त हुआ था, पुनरीक्षित वेतनमान में ऐसे रोधों के प्रति निर्वास से ही प्रवृत्त होगा ।

टिप्पण 2 : जहाँ परन्तुक के प्रधीन अतिरिक्त वेतनवृद्धि का फायदा भी किसी सरकारी सेवक को उस वेतनमान में, जिसमें यदि वह अपना उच्चतर स्थानापन पर धारण नहीं किया रहता तो वह 1 जनवरी, 1986 को विद्यमान वेतनमान के प्रधिकातम पर दो बारी से प्रधिक तरफ से होने पर तर्वर वेतनवृद्धि पाया, इस बात को विचार के लाए बिना कि वह वस्तुतः तर्वर वेतनवृद्धि प्राप्त कर रहा था या नहीं, पुनरीक्षित वेतनमान के अधिकातम से अधिक न होने के प्रधीन रहते हुए, ऐडिक्टिक रूप से प्रमुख द्वारा होता है ।

टिप्पण 3 : जहाँ तीसरे और चौथे परन्तुकों के निवाखनों के प्रमुखार भी प्रतिरिक्त वेतनवृद्धियों के लिए जाने से अधिकारी पदों को लागू पुनरीक्षित वेतनमान में किसी सरकारी सेवक का अधिकारीपारी वेतन किसी भी समय उसके स्थानापन वेतन से अधिक हो जाता है, वहाँ सरकारी सेवक को, स्थानापन वेतन के अतिरिक्त, उन अवधियों के लिए जिनके द्वारा अधिकारीपारी वेतन स्थानापन वेतन से अधिक हो जाता है, स्थानापन वेतन और अधिकारीपारी वेतन के बीच का अंतर ऐप्रिक्टिक वेतन के रूप में अधिक्षय में होने वाली वेतनवृद्धियों में व्यापेक्षित किए जाने के लिए प्रमुखात किया जा सकेगा ।

टिप्पण 4 : ऐसे मामलों में, जहाँ थो विद्यमान वेतनमान, जो एक घन्थ के लिए प्रोत्तिक संबंधी वेतनमान है, मिला यिए जाते हैं, और अब निम्नतर वेतनमान में अपना वेतन प्राप्त करने वाला कनिष्ठ सरकारी सेवक उस वेतनमान में छक्के होने के लिए वैयक्तिक वेतन प्राप्त कर रहा है, और ऐसा होता है कि वह उपर्युक्त टिप्पण 2 और 3 के प्रधीन अतिरिक्त वेतनवृद्धि के लिए जाने के कारण पुनरीक्षित वेतनमान में विद्यमान उच्चतर वेतनमान में अधिक के वेतन से अधिक वेतन प्राप्त करता है, वहाँ पुनरीक्षित वेतनमान में अधिक तरकारी सेवक के वेतन को उसी तारीख से उसके कनिष्ठ के वेतन तक बढ़ाया जाएगा और वह ऐसे बढ़ाए जाने की तारीख से अहंता की अवधि पूरी करने के पश्चात छागला वेतनवृद्धि प्राप्त करेगा ।

9. 1 जनवरी, 1986 के पश्चातवर्ती पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन नियत करना :—जहाँ कोई सरकारी सेवक विद्यमान वेतनमान में अपना वेतन प्राप्त करता रहता है और उसे 1 जनवरी, 1986 के बाव बाले किसी तारीख से पुनरीक्षित वेतनमान के प्रधीनत बाया जाता है वहाँ पुनरीक्षित वेतनमान में पश्चातवर्ती तारीख से उसका वेतन मूल नियमों या उस पर दो से लिए लागू किसी वय नियम या आदेश, रक्षा सेवा तिविधियम (वेतन पुनरीक्षित) नियम 1947, रक्षा सेवा तिविधियम (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 1960 और रक्षा सेवा तिविधियम (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 1973 के उपर्युक्त, ऐसे मामलों को जहाँ, वेतन को इन नियमों के प्रधीन विनियमित किया जाता है, उस विस्तार तक लागू नहीं होने वहाँ तक वे इन नियमों से प्रसंगत हैं ।

भत्ता के बराबर रकम की उन संपत्तियों के कटौती करने के पश्चात् नियत किया जायगा ।

10. 1 जनवरी, 1986 के पश्चात् उस तारीख के पूर्व आरित किसी पर पुनरीक्षित की जाने पर वेतन नियत करना :—किसी ऐसे सरकारी सेवक को, जिसने 1 जनवरी, 1986 के पूर्वे किसी पर पर स्थानापन रूप में कार्य किया था किन्तु वह उस तारीख को वह पर धारण नहीं कर रहा वा और जो उस पर पर स्थानापती नियुक्त पर पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन प्राप्त करता है, यथास्थिति, मूल नियम 22 के परन्तुक या मूल नियम 22 ग के बहुर्थ परन्तुक का फायदा उस विस्तार तक प्रमुखात किया जाएगा जो उस दोनों में भनुमेय होता यदि वह 1 जनवरी, 1986 को वह पर धारण कर रहा होता और उस तारीख से पुनरीक्षित वेतनमान का नियावन किया होता ।

11 वेतन के बकायों के संबंध की रीति—इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी, वेतन के बकाए, जिनके लिए कोई सरकारी सेवक इन नियमों के प्रधीन सुसंगत अवधि की आवत् तकदार हो, सरकारी सेवक को, या तो नक्व या उन्हें सरकारी सेवक के प्रविष्ट नियम आते में जमा करके या उन्हें सरकारी सेवक के नाम में छोले गए किसी विणेप वक्तव्य आते में जमा करके या भागतः नक्व और भागतः पूर्णोत्त सभी रीतियों या उनमें से किसी अन्य रीति के द्वारा, जैसा राष्ट्रपति, इस नियमत, भावेश द्वारा अवधारित करें, संबंध लिए जाएंगे ।

स्पष्टीकरण—इस नियम के प्रयोजनों के लिए—

(क) किसी सरकारी सेवक के संबंध में 'वेतन के बकाए' से—

- (i) ऐसे वेतन और भर्तों के, जिनके लिए वह सुसंगत अवधि के लिए इन नियमों के प्रधीन अपने वेतन और भर्तों का पुनरीक्षण होने के कारण इकावार होता योग ; और
- (ii) ऐसे वेतन और भर्तों के, (जहाँ उसने ऐसा वेतन और सारे प्राप्त किए थे या नहीं) जिनके सिए वह उस अवधि के लिए हक्कावार होता यदि उसके वेतन और भर्तों का इस प्रकार पुनरीक्षण नहीं किया गया होता, योग,

के बीच का अंतर अनियंत्र है ;

(क) "सुसंगत अवधि" से 1 जनवरी, 1986 को प्रारम्भ होने वाली और 30 सितम्बर, 1986 को समाप्त होने वाली अवधि अनियंत्र है ।

12. नियमों का अध्यारोही प्रभाव—इन नियमों में प्रत्यक्षा उपर्युक्त के सिवाय मूल नियमों, या उस पर दो से लिए लागू किसी अन्य नियम या आदेश, रक्षा सेवा तिविधियम (वेतन पुनरीक्षित) नियम 1947, रक्षा सेवा तिविधियम (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 1960 और रक्षा सेवा तिविधियम (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 1973 के उपर्युक्त, ऐसे मामलों को जहाँ, वेतन को इन नियमों के प्रधीन विनियमित किया जाता है, उस विस्तार तक लागू नहीं होने वहाँ तक वे इन नियमों से प्रसंगत हैं ।

13. विविल करने की शर्ति—जहाँ राष्ट्रपति का यह समाधान हो जाता है कि इन नियमों के उभी उपर्युक्तों या उनमें से किसी के प्रवर्तन से वित्ती विविध सामयों में प्रसंग्यक कठिनाई होती रही वह यह भावेश द्वारा, उस विस्तार तक और ऐसी भर्तों के प्रधीन रहते हुए जो वह स्थानांतर वा साम्यापूर्ण रीति से मामले को निपटाने के लिए मावरणक सबै, उस नियम की प्रयोजनाओं से प्रतिमुक्ति वे संकेने या उन्हें विविल कर सकें ।

14. नियंत्रण—यदि इन नियमों के किसी उपर्युक्त के नियंत्रण हो विविध और प्रसंग उठता है तो उसे विनियमित के लिए केन्द्रीय सरकार का विविध किया जाएगा ।

पंहली अनुसूची

(नियम 3 और 4 देखिए)

समूह "च", "ग", और "व" में वर्तमान वेतनमान वाले पदों के लिए, सिवाए उन पदों की वावत जिनके लिए विभिन्न पुनरीक्षित वेतनमान पृथक रूप से अधिसूचित किए गए हैं, पुनरीक्षित वेतनमान

क्रम सं.	पद	वर्तमान वेतनमान	पुनरीक्षित वेतनमान
1	2	3(र.)	4(र.)

समूह "च"

1. स्तम्भ 3 में विनिविष्ट (क) 160-2-170

वर्तमान वेतनमान वाले सभी पद

750 र. (नियत) जब तक कि संविधित कर्मचारियों की भर्ती वी विहित आयु प्राप्त कर लेने के पश्चात् नियमित वेतनमान में नहीं लाया जाता।

(क) 180 (नियत)
 (ग) 196-3-220-द.रो.-3-232
 (घ) 200-3-212-4-232-द.रो.-4-240 }
 (चयन देख)

750-12-870-द.रो.-14-940

2. — यथोक्त— (क) 200-3-206-4-234-द.रो.-4-250
 (घ) 200-3-212-4-232-द.रो.-4-240-5-250 }
 (ग) 210-4-226-द.रो.-4-250
 (घ) 200-3-212-4-232-द.रो.-4-240 }
 775-12-955-द.रो.-14-1025

3. —यथोक्त— (क) 210-4-250-द.रो.-5-270
 (घ) 210-4-250-द.रो.-4-270 }
 (ग) 210-4-226-द.रो.-4-250-द.रो.-5-290 }
 800-15-1010-द.रो.-20-1150

समूह "ग" और "व"

4. —यथोक्त— 225-5-260-6-290-द.रो.-6-308 825-15-900-द.रो.-20-1200

5. —यथोक्त— (क) 225-5-260-6-326-द.रो.-8-350
 (घ) 260-6-326-द.रो.-8-350 }
 950-20-1150-द.रो.-25-1400

6. —यथोक्त— (क) 260-6-290-द.रो.-6-326-8-366 द.रो.-
 8-390-10-400
 (घ) 290-6-326-द.रो.-8-350 }
 950-20-1150-द.रो.-25-1500

7. —यथोक्त— (क) 260-8-300-द.रो.-8-340-10-380-द.रो.-
 10-430
 (घ) 290-6-326-8-350-द.रो.-8-390-10-400 }
 975-25-1150-द.रो.-30-1540

8. —यथोक्त— 260-8-300-द.रो.-8-340-10-380-12-420- 975-25-1150-द.रो.-30-1660
 द.रो.-12-480

9. —यथोक्त— 320-8-326-8-390-10-400 1150-25-1500

10. —यथोक्त— (क) 330-8-370-10-400-द.रो.-10-450
 (घ) 330-8-370-10-400-द.रो.-10-480 }
 1200-30-1440-द.रो.-30-1800

11. —यथोक्त— (क) 330-10-380-द.रो.-12-500-द.रो.-15-
 560
 (घ) 330-10-350-द.रो.-380-15-500-द.रो.-
 16-560 }
 1200-30-1440-द.रो.-30-1800

1	2	3	4
		(₹.)	(₹.)
स्तम्भ 3 में विविष्ट वर्तमान बेतनमान वाले सभी पद	(ग) 330-8-370-10-400-द. रो.- 10-500-15-530 (घ) 290-8-330-10-380-द. रो.- 12-500-द. रो.-15-560 (ङ) 290-10-350-द. रो.-12-410- द. रो.-15-500		1200-30-1560-द. रो.-40-2040
12. —योक्ता—	(क) 380-12-500-15-530 (ख) 380-12-500-द. रो.-15-560		1320-30-1560-द. रो.-40-2040
13. —योक्ता—	(क) 380-12-440-द. रो.-15-560-द. रो.- 20-620 (ख) 380-12-440-द. रो.-15-560-द. रो.- 20-640 (ग) 425-15-530-द. रो.-15-560-20-600 (घ) 470-15-560-20-580		1350-30-1440-40-1800-द. रो.-50-2200
14. —योक्ता—	(क) 425-15-560-द. रो.-20-640 (ख) 425-15-500-द. रो.-560-20-700 (ग) 455-15-560-द. रो.-20-700		1400-40-1800-द. रो.-50-2300
15. —योक्ता—	(क) 425-15-500-द. रो.-15-560- 20-700-द. रो.-25-800 (ख) 425-15-500-द. रो.-15-560-20- 640-द. रो.-20-700-25-760 (ग) 440-15-515-द. रो.-15-560-20- 700-द. रो.-25-750 (घ) 440-20-500-द. रो.-25-700- द. रो.-25-750 (ङ) 440-20-500-द. रो.-25-700- द. रो.-25-750		1400-40-1600-50-2300-द. रो.-60-2600
16. —योक्ता—	(क) 550-20-650-25-800 (ख) 550-20-650-25-760 (ग) 550-20-650-25-700 (घ) 550-25-750		1600-50-2300-द. रो.-80-2660
17. —योक्ता—	(क) 500-20-700-द. रो.-25-900 (ख) 500-25-750-30-900 (ग) 550-20-650-25-750-द. रो.-30-900 (घ) 550-25-900 (ङ) 550-25-750-द. रो.-30-900		1640-60-2600-द. रो.-75-2900
18. —योक्ता—	(क) 650-30-740-35-880-द. रो.-40-960 (ख) 700-30-760-35-900 (ग) 650-30-740-35-880-द. रो.-40-1040 (घ) 775-35-880-40-1000		2000-60-2300-द. रो.-75-3200
19. —योक्ता—	650-30-710		2000-60-2120
20. —योक्ता—	(क) 650-30-740-35-810-द. रो.- 35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 (ख) 650-45-1010-द. रो.-45-1100- 50-1200 (ग) 775-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200		2010-60-2300-द. रो.-75-3200-100-3500
21. —योक्ता—	(क) 840-40-1000-द. रो.-40-1200 (ख) 840-40-1040		2375-75-3200-द. रो.-100-3500

टिप्पणी:—जैसा अन्यथा उपर्युक्त है उसके सिवाय, इन नियमों के प्रकाशन की तारीख से पूर्व अयन प्रेष्ठ में बेतन ले रहे कर्मचारी यो दणा में, उग्रका बेतन त्रिमूल वेद के तात्पर्यानु पुनरीक्षित बेतनमान में नियत किया जाएगा और उक्त बेतन एवं कर्मचारी के लिए नियी होगी।

भाग च — १८८१ वर्षमूली

कलिपय अन्य प्रवारों से कर्मचारियम् ले लिए पुनरीक्षित वेतनमान

क्रम सं.	पद	वेतनमान वेतनमान	पुनरीक्षित वेतनमान	पुनरीक्षित वेतनमान
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
		रु.	रु.	रु.

I. कर्मचारियम् कर्मचारियम्

1. स्तम्भ ३ में विनिष्ट 196-3-220-द, रो.-3-232 वर्तमान वेतनमान वाले सभी पद

2. —पदोन्नत—	(i) 210-4-250-द, रो.-5-270 (ii) 210-4-226-द, रो.-4-250-द, रो.-5-290	800-15-1010-द, रो.-20-1150
3. —पदोन्नत—	(i) 260-6-326-द, रो.-8-350 (ii) 260-6-290-द, रो.-8-326-8-366-द, रो.-8-390-10-400 (iii) 320-6-326-8-390-10-400	950-20-1150-द, रो.-25-1500
4. —पदोन्नत—	330-8-370-10-400-द, रो.-10-480	1200-30-1440-द, रो.-30-1800
5. —पदोन्नत—	380-12-500-द, रो.-15-560	1320-30-1560-द, रो.-40-2040
6. —पदोन्नत—	425-15-560-द, रो.-20-640	1400-40-1800-द, रो.-50-2300

मंत्रालय को 225-308 रु. के वेतनमान वाले पदों के कार्य का पुनर्विसोक्त करता चाहिए जिससे कि उन्हें 800-1150 रु. या 950-1500 रु. के वेतनमान के पदों में बर्निहत किया जाए किन्तु इन पदों के विवरान पदधारी 825-15-900-द, रो.-20-1200 रु. के वेतनमान में जो उनके लिए नियोजित रूप में होता तब तक वहें रहेंगे जब तक कि वे 950-1300 रु. के वेतनमान में रहें जाने के लिए उपयुक्त नहीं पाए जाते हैं।

7. तकलीफी पदवेष्टक

स्तम्भ ३ में विनिष्ट वर्तमान वेतनमान वाले सभी पद

(i) 380-12-500-द, रो.-15-560 (ii) 380-12-440-द, रो.-15-560-द, रो.-20-640 (iii) 425-15-830-द, रो.-15-560-20-600 (iv) 425-15-560-द, रो.-20-640 (v) 425-15-500-द, रो.-15-560-20-700 (vi) 455-15-560-द, रो.-20-700	1400-40-1800-द, रो.-50-2300
(vii) 550-20-650-25-750 (viii) 550-20-650-25-800	1600-50-2300-द, रो.-60-2680
(ix) 700-30-760-35-900 (x) 650-30-740-35-880-द, रो.-40-960	2000-60-2300-द, रो.-75-3200
(xi) 840-40-1040 (xii) 840-40-1000-द, रो.-40-1200	2375-75-3200-द, रो.-100-3500

II. मिलिनिय से बाहर के वंशठनों

में कार्यरत कार्यालय कर्मचारियम् आकृतिपिक शेष III

रु.	रु.
330-10-380-द, रो.-12-500-द, रो.-15-560	1200-30-1560-द, रो.-40-2040

आकृतिपिक शेष II

425-15-500-द, रो.-15-560-20-700	1400-40-1800-द, रो.-50-2300
---------------------------------	-----------------------------

आकृतिपिक शेष I

550-25-750-द, रो.-30-900	1640-60-2600-द, रो.-75-2900
--------------------------	-----------------------------

निम्नमर प्रेडों से आकृतिपिकों के पदों की अपेक्षित संख्या का उपयुक्त रूप से उच्च बोर्डीकरण, कर्को, ल्योड प्रशासनिक शेष और भवतुल्य पदों के अधिकारियों से सम्बद्ध आकृतिपिकों के पदों के लिए 2000-60-2300-द, रो.-75-3200 रु.। यह उच्चतर वेतनमान में वे पद सामान्य प्रक्रिया के अनुसार प्रोत्साहित द्वारा भरे जाने चाहिए।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
उपर्ये			उपर्ये	
III. भव्यापत्र क्रमसारित्व				
1. प्राप्तिक विद्यालय भव्यापत्र	330-10-350-द.रो.-380-15-500-द. रो.-15-560	1200-30-1560-द.रो.-40-2040	उन भव्यापत्रों को, जो संख्या 3 में उल्लिखित विद्यालय वेतनमान में हैं, इस संख्या में उल्लिखित पुनरीक्षित वेतनमान यह तुलिखित करने के बाब्द ही दिया जा सकता है कि उनके पास विहित अंतराएं हैं। जिसके पास विहित अंतराएं नहीं हैं उन्हें इस अनुसूची के साथ "क" में उल्लिखित पुनरीक्षित वेतनमान दिया जाएगा जो उनके विद्यालय वेतनमान के तरतमान है। इस संख्या में उल्लिखित विध्यापत्र वेतनमान उन्हीं भव्यापत्रों को अनुकूल होगा जो संख्या 3 में उल्लिखित विद्यालय वेतनमान में पहले से ही है।	
2. प्रशिक्षित स्नातक भव्यापत्र/ प्राप्तिक विद्यालय का प्रवान भव्यापत्र	440-20-500-द.रो.-25-700-द.रो. 25-750	1400-40-1600-50-2300-द.रो.-80- 2600		
3. स्नातकोत्तर भव्यापत्र/प्रवान भव्यापत्र (मास्टरिक विद्या- लय)	550-25-750-द.रो.-30-900	1640-60-2600-द.रो.-75-2900		
4. प्राप्तिक विद्यालय भव्यापत्र (च. दे.)	530-20-630	1400-40-1600-50- 2300-द.रो.-80-2600		
5. प्रशिक्षित स्नातक भव्यापत्र (च. दे)/प्रवान भव्यापत्र प्राप्तिक विद्यालय (च. दे.)	740-35-850	1640-60-2600-द.रो.-75-2900		
6. स्नातकोत्तर भव्यापत्र (च. दे.) प्रवान भव्यापत्र, मास्टरिक विद्यालय (च. दे.)	775-35-880-40-1000	2000-60-2300-द.रो.-75-3200- 100-3500		
7. उप भव्यापत्रार्थी/प्रवानभव्यापत्र	650-30-740-35-810-द.रो.-35- 880-40-1000-द.रो.-40-1200	2000-60-2300-द.रो.-75-3200- 100-3500		
IV. प्रयोगकाला तारीखीश्व				
1. प्रयोगकाला सक्रियक	290-10-350-द.रो.-12-410- द.रो.-15-500	1200-30-1560-द.रो.-40-2040		
V. बोटर यान भ्रात्यर				
मोटरयानों, जिसके प्रमाणगत स्टाफ कार्यों भी हैं, के भ्रात्यर	(1) 260-6-320-द.रो.-8-350 (2) 260-6-290-द.रो.-6-326-8- 386-द.रो.-8-390-10-400	} 930-20-1150-द.रो.-25-1600		
VI. वस्त्र प्रवर्गों के क्रमसारित्व				
(रसोइया और बैरा) रसोइया/ रसोइया बैरा/बट्टर/बैरा/ फॉटर/वेटर, प्रति	(1) 196-3-220-द.रो.-3-232 (2) 200-3-212-4-232-द.रो.-4- 240	} 750-12-870-द.रो.-14-940		
	(3) 200-3-206-4-234-द.रो.-4- 250	} 775-12-955-द.रो.-14-1025		
	(4) 210-4-250-द.रो.-5-270 (5) 210-4-226-द.रो.-4-250- 4.रो.-5-290	} 800-15-1010-द.रो.-20-1150		
	(6) 225-5-260-6-290-द.रो.-6- 308	} 825-15-900-द.रो.-20-1200		
	(7) 260-6-326-द.रो.-8-350 (8) 260-6-290-द.रो.-6-326- 8-366-द.रो.-8-390-10-400	} 950-20-1150-द.रो.-25-1500		
	(9) 290-6-326-8-350-द.रो.-8- 390-10-400 (10) 320-6-326-8-390-10-400	} 950-20-1150-द.रो.-25-1500		
	(11) 330-8-370-10-400-द.रो.- 10-480	} 1200-30-1440-द.रो.-30-1800		

(1)

(2)

(3)

(4)

(5)

पाते

करते

VI. अन्म प्रवर्गों के कर्मचारीवृन्द —(जारी)	(1) 311-12-500-द.रो.-15-560		1320-30-1560-द.रो.-40-2040	मंत्रालयों/विभागों के 225-308 च. के वेतनमान वाले पर्यों के कार्य का पुनर्विलोकन करता चाहिए जिसमें कि उन्हें 300-1150 रु. या 950-1500 रु. के वेतनमान के पार्दों में वर्गीकृत किया जाए। किन्तु इन पर्यों के विवादात् पदधारी 825-15-900-द.रो.-20-1200 रु. के वेतनमान में, जो उनके सिवू नियों के कार्य में होगा उब तक उन्हें रद्दीय जब तक कि वे 950-1500 रु. के वेतनमान में रहते हैं तिथि उपर्युक्त वर्गी करो जाएं हैं।
--	-----------------------------	--	----------------------------	---

VII. छवंचिकित्सीय कर्मचारिवृन्द

1. रेडियोग्राफर/एक्सरे तकनीकि- विद्	330-10-380-द.रो.-12-500- 15-560		1350-30-1440-40-1800-द.रो.-50- 2200	
2. चयन व्यंजी रेडियोग्राफर/एक्सरे तकनीकीविद् कासाईसिस्ट्र (चयन व्यंजी)	425-15-500-द.रो.-20-640		1400-40-1600-50-2300-द.रो.-60- 2600	
3. एक्सरे तकनीकीविद्	475-15-500-द.रो.-15-560-20-700		1400-40-1600-50-2300-द.रो.-60- 2600	
4. सहायक नर्स और मिड वाइफ (स.न.मि.)	(1) 260-6-326-द.रो.-8-350 (2) 260-6-290-द.रो.-6-326-8- 366-द.रो.-8-390-10-400		{ 975-25-1150-द.रो.-30-1540	(1200-30-1560-द.रो.-40-2040 रुपयों के वेतनमान में प्रोक्षति येत मी होगा जिसके लिए सामान्य प्रक्रिय के ग्रन्तुसार प्रोक्षति अपेक्षित होगी)
5. स्टाफ नर्स/ज्येष्ठ नर्स ग्रेड-II	(1) 425-15-560-द.रो.-20-640 (2) 435-15-500-द.रो.-15-560-20- 700		{ 1400-40-1600-50-2300-द.रो.-60- 2600	
6. नर्सिंग सिस्टर/पब्लिक हैल्प नर्स/ज्येष्ठ नर्स ग्रेड-I	(1) 455-15-560-द.रो.-20-700 (2) 470-15-530-द.रो.-20-650- द.रो.-25-750 (3) 550-20-650-25-700		{ 1640-60-2600-द.रो.-75-2900	
7. नर्सिंग कर्मचारिवृन्द (पर्य- वेक्षीय)/सीनियर मैट्रन/ मैट्रन/पब्लिक हैल्प नर्सिंग सुपरवाइजर	(1) 550-20-650-25-750 (2) 550-20-750-द.रो.-30-900 (3) 650-30-740-35-880-द.रो.-40- 960 (4) 700-30-760-35-900		{ 2000-60-2300-द.रो.-75-3200	

VIII. सशस्त्र सेना मुद्र्यालय आशुलिपिक सेवा

1. सशस्त्र सेना मुद्र्यालय आशुलिपिक सेवा ने ग्रेड ख में सम्मिलिन कर्तव्य पद	631-30-740-35-830-द.रो.-40-1040		{ 2000-60-2300-द.रो.-75-3200-100- 3500	प्रथम संगठनों में पेशे आशुलिपिक कार्यरक्ष है, जो केन्द्रीय सचिवालय ग्राम- तिथिक सेवा में भागी रही है, किन्तु जहां ऐसे पद तुलनीय उद्दों औ वेतनमानों में है और असी क पदहति खुली अतियोगिता दर्दीका के माध्यम से होते हैं वहां इव संपूर्णों के उदाहरणार्थे, विटेल संचालय के आशुलिपिकों के इस वर्तमान में उल्लिखित वही मुख्यीतिहास वेतनमान प्रदान होते हैं।
2. सशस्त्र सेना मुद्र्यालय आशु- लिपिक सेवा के ग्रेड ख के २ 40-1000-द.रो.-40-1200				

प्रतिवाचन की विवरणीय विवरण

प्रतिवाचन की विवरणीय विवरण

[नियम (6)(1) विवरण]

*(1) मेरा विवरण, 1 जनवरी, 1986 से पुनरीक्षित वेतनमात्र (वेतनमानों) देने का निश्चय करता हूँ।

*(2) मैं अपने नीचे उल्लिखित अधिकारी स्थानापन्न पद के विवरान वेतनमान में निम्नलिखित समय तक देने रहने का निश्चय करता हूँ:—

*अपनी अगली वेतनवृद्धि की तारीख तक अपनी पश्चात्वर्ती वेतनवृद्धि की तारीख तक जिसको मेरा वेतन बढ़कर विवरान पद छोड़ देने तक/विवरान वेतनमान में वेतन लेना बन्द कर देने तक
मेरा विवरान वेतनमान

रप्ते हो जाएगा

रप्ते हैं।

हस्ताक्षर
नाम
पदनाम
कार्यालय
जिसमें
नियोजित है

*विवरण जागू नहीं हो तो काढ दीजिए।

तारीख:

द्वारा:

ए. रंगाचारी,
अपर सचिव, भारत सरकार

रक्षा सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 1986 का
स्पष्टीकारण द्वारा

नियम 1—यह नियम स्वतः स्वप्न है।

नियम 2—यह नियम कर्मचारियों के उत्तराधीनों का उत्सव बनाता है जिन्होंने ये विवरण जागू हैं। ये नियम उन प्रवर्यों के जो बांध (2) के प्रधानमंडल विवरणित किए गए हैं, ये नियम राष्ट्रपति की नियम इनमें की अक्षित के अधीन, रक्षा प्रावकलनों में से संदर्भ विवरणों में सेवा कर रहे, सभी अधिकारियों को जागू होंगे।

नियम 3—यह नियम स्वतः स्वप्न है।

नियम 4—ऐसे कर्मचारियों की दावत जो विवरान में समूह “बी” और समूह “प” में है और जिनके लिए उनमें आयोग ने समूह “क” के किसी प्रवर्य को जागू वेतनमानों को सिफारिश की है, यह नियम उस समय तक जागू नहीं होगा जब उन्हें कर्मचारियों को जागू होने वाले वेतनमान विवरणित कर्त्ता कर दिया जाएगा।

नियम 5—प्राक्षय यह है कि उन्होंने सरकारी सेवकों को जागू वेतनमान में लाया जाए तिथाएं उनमें जो विवरान वेतनमानों में देते होने का निश्चय करते हैं। वे कर्मचारी जो विवरान वेतनमानों में देते होने का विवरण करते हैं 1 जनवरी, 1986 को रवृन दर्ते पर महंगाई वेतन, महंगाई जर्ता, तदर्थ महंगाई जर्ता और अंतरिम राहत लेते रहेंगे और महंगाई वेतन, मकान किराए, अनिकरात्मक जर्ते और वेश्वर के लिए परिस्थितियों, आदि के लिए उन वित्तार तक गवाहा में लिया जाएगा जिस तक यह उन तारीख को गवाहा में लिया जाता जा।

यह कोई सरकारी सेवक कर्मचारी हीमियर है उक्तीये यह अपने हाथों से अपने अपने अधिकारी का रक्षा जाएगा जो उन्होंने अपने अधिकारी का रक्षा करता है या किसी एक या अधिक पदों पर स्थानापन्न रप्त हो जाएगा जो विवरण करता है उन सरकारी सेवकों की दावा में जितक पदों के पुनरावधि वेतनमान इन नियमों के जारी

वह प्रतिनियुक्ति आदि पर न होता तो उसे केवल एक पद की बाबत विवरान वेतनमान को प्रतिवारित करने का विकल्प है। ऐसा सरकारी सेवक स्थानीय पद को जागू विवरान वेतनमान, या स्थानापन्न पदों में किसी एक के वेतनमान, को प्रतिवारित कर सकता है। ऐसे पदों की बाबत उसे प्रतिनियुक्ति कर के पुनरीक्षित वेतनमान में ही लाया जाएगा।

नियम 5 का अपनीकरण 3—ऐसे सरकारी सेवक को केवल अधिकारी या किसी एक स्थानापन्न पद की बाबत विवरान वेतनमान को प्रतिवारित करने का विकल्प होगा यातः उस सरकारी सेवक को, जो अपने स्थानापन्न पद की बाबत विवरान वेतन का प्रतिवारण करता है, उसके अधिकारीय पद की बाबत पुनरीक्षित वेतनमान में लाया जाएगा। प्रधिकारीय पद के पुनरीक्षित वेतनमान में महंगाई वेतन/प्रतिवरित महंगाई जर्ता/तदर्थ महंगाई जर्ता पुनरीक्षित वेतनमान में आमंत्रित हो जाएगा जबकि स्थानापन्न वेतनमान में उसे महंगाई वेतन और प्रतिवरित महंगाई जर्ता/तदर्थ महंगाई जर्ता के विवरान दर्ते भलुआत होंगी। यदि उसका वेतन उच्चतर स्थानापन्न पद के विवरान वेतनमान में, अधिकारीय पद के पुनरीक्षित वेतनमान के वेतन के विवरण से पुनरीक्षित किया जाता है तो इससे उसे महंगाई जर्ता, महंगाई जर्ता, तदर्थ महंगाई जर्ता और अंतरिम राहत लेते रहेंगे और महंगाई वेतन, मकान किराए, अनिकरात्मक जर्ते और वेश्वर के लिए परिस्थितियों, आदि के लिए उन वित्तार तक गवाहा में लिया जाएगा जिस तक यह उन तारीख को गवाहा में लिया जाता जा।

नियम 6—यह नियम वह पदों की विवरणीय विवरण का उत्तराधीन विवरण जो अधिकारी को जो विवरण करता है जिसे ऐसे विकल्प की सूचना दी जाती चाहिए। विकल्प इन नियमों से उपरान्त उचित प्रबल्प में किया जाएगा। यह द्वारा जाना चाहिए कि सरकारी सेवक के लिए केवल यह पर्याप्त नहीं है कि वह विनियिष्ट समय शाम परिस्थिति में विवरण करे अपेक्षा वह भी सुनिश्चित द्विया आदा जाहिए कि विकल्प विवरण प्राधिकारी के पास समय की परिसीमा के लीला रप्त होने जा रही है जो इन नियमों के प्रवृत्त होने के अपने अपने अपने अधिकारी वेतन के एक अपार रप्त होने के अपने अपने अधिकारी वेतन की दावा में जितक पदों के पुनरावधि वेतनमान इन नियमों के जारी

किए जाने की तारीख के पश्चात् घोषित किए जाते हैं और उनकी वह अवधि ऐसी घोषणा की तारीख से आरंभ होती ।

ऐसे व्यक्ति भी, जो 1 अनवरी, 1986 और इन नियमों के आदे करने की तारीख के बीच सेवानिवृत्त हो गए हैं, विकल्प करने के पाल हैं।

नियम 7(1) — इस नियम का संबंध 1 अक्टूबर, 1936 की विद्यमान वेतनमानों में वेतन को वास्तविक रूप से नियत करने से है। सरकारी सेवक का वेतनमान उप-नियम के प्रधीन तथा नियम 7(1) के नीचे टिप्पणी के अधीन वेतन में वृद्धि के अधीन रहते हुए विस्तृतीय से नियम किया जाना चाहिए। इसके कुछ उदाहरण नीचे दिए गए हैं :

उदाहरण सं. 1

1. विद्यमान वेतनमान	260-8-290-द. रो.-8-326-8-366- द. रो.-8-390-10-400 रु.
2. प्रस्थापित वेतनमान	950-20-1150-द. रो.-25-1500 रु.
3. विद्यमान मूल वेतन	342.00 रु.
4. औपर सूचकांक 608 पर महाराई वेतन/प्रतिरिक्ष महाराई भत्ता	662.50 रु.
5. अंतिम राहत की दो किलो ^१	110.00 रु.
6. विद्यमान परियोगियाँ	1114.50 रु.
7. मूल वेतन का 20 प्रतिशत स्वृच्छा 75 रु. रुपयोगिक	75.00 रु.
कोष	1189.50 रु.
अस्थायित वेतनमाला में नियम किया जाने वाला वेतन	1200.00 रु.
उत्तमवाला रु. 3	
1. विद्यमान वेतनमाला	550-20-650-25-750+60 रु. प्रतिशत वेतन
2. प्रस्थापित वेतनमान	2000-60-2300-द. रो.-75-3260 रु. (विशेष वेतन रहित)
3. विद्यमान मूल वेतन + विशेष वेतन	700 रु. + 60 रु.
4. मूल वेतन और विशेष वेतन पर औपर सूचकांक 608 पर महाराई वेतन/प्रतिरिक्ष महाराई भत्ता	1143. रु. 00 रु.
5. अंतिम राहत की दो किलो	140.00 रु.
6. विद्यमान परियोगियाँ	2043. 80 रु.
7. मूल वेतन का 20 प्रतिशत प्रतिक्रिया	140. 00 रु.
कोष	2183. 80 रु.
अस्थायित वेतनमाला में नियम किया जाने वाला वेतन	2240. 44 रु. (विशेष वेतन रहित)

उदाहरण १ ८

1. विद्यमान वेतनमान	210-4-250-4. रो.-3-270 रु.
10 रु. विवेष वेतन सहित	
2. प्रस्तापित वेतनमान	300-15-1010-2. रो.-20-1150
20 रु. विवेष वेतन सहित	
3. विद्यमान मूल वेतन	230 रु.
4. औसत सूचकांक 608 पर महंगाई वेतन/अतिरिक्त महंगाई जता 463. 50 रु.	
5. अंतरिम राहत की दो फिल्सें	100. 00 रु.
6. विद्यमान परिलिखियां	793. 50 रु.
7. मूल वेतन का 20 प्रतिशत स्थूनतम 75 रु. तक जोड़िए	75. 00 रु.
बोग	868. 50 रु.
प्रस्तापित वेतनमान में नियत किया जाने वाला वेतन	975. 00 रु. + 20 रु. विवेष वेतन

नियम २ (२) — यह मूल नियम ३१ (२) के उपर्यांत्रों के अनुसार है। यह व्यापार दिया जाना चाहिए कि इस नियम का फायदा उन भारतीयों के लिये उपलब्ध नहीं है जहाँ भारतीयों से व्यापक में शपथे प्रविष्टायी पद की वादव पूरी रूपीयता से व्यापक व्यापक व्यापक की विविधता है तिनमें यातायाप्त यह की वादव कियाराह व्यापक व्यापक का विविधता रख किया है।

विषय ५- यह विषय २५ वित्त को विद्युत कराता है जिसमें नए विद्युतभूमि के दावाओं के बारे में विविध विवाही सेवकों को आदी चाहिए। इन विषय के परम्पराकृत विविध विवाही सेवकों के बेतन सी विषयमार्गों को दूर करने के लिये प्रारंभित है जो इस विषय के प्रधिकारी वारा के प्रवर्तन के कारण अपने विवरणों के प्रारंभिक बेतन के रहे हैं और इसमें उन सरकारी सेवकों का भी अवल रखा यात्रा है जो ११-१९४६ को एक वर्ष से प्रधिक से विवाहाद वेतनमान में प्रधिकतम बेतन ले रहे हैं जब उन सरकारी सेवकों का भी अवल रखा यात्रा है जो विवाहाद बेतन के प्रधिकतम पर एक वर्ष से और सरकारी सेवकों के लिये विवाहाद वर अधिकतम बेतन प्राप्त कर रहे हैं।

《詩經》中《召南》《周南》《召北》《周北》《召南》《周南》《召北》《周北》

—**क्षा देवः सिद्धिविद्यतः** (मुख्याक्षित वंसवामा) दिव्यतः १५८८ छोड़े हैं वह अवश्य ही अपूर्व "क्षा", अमृत "म" और अपूर्व "म" के अवश्यक अव्याप्तियों के वंसवाम को वशव गिरावितों की विद्याविद्यत वर्तने के लिये प्रयत्न रखते हैं। प्रयाप्त वायोगमें १ अप्रैल, १९८० वे वंसवामों के मुख्याक्षित का वशवाम रक्षा है किन्तु सरकार ने इन विद्याविद्यतों को १ अप्रैल, १९८० से प्रवासी करने का नियन्त्रण किया है विलक्षण तः अत्र और पर वशवामी वंसों को विशिष्ट कारबद्ध पहुँचवाया जा रहा है। अवश्याक्ष, वह नियमों को १ जनवरी, १९९० से भूतनक्षी तरह के अवासी किया जा रहा है। यह प्रयाप्ति किया जाता है कि इन विद्यों से भूतनक्षी करने के प्रवासी कर्तव्य से ऐसे लिंगी अव्याप्तारों पर कोई विविक्षण वाक्य नहीं बोला जिसमें के नियम पाया जाते हैं।

[सं ए/26023/5/86 डी(पौ. सो)]

वी. एन. बहादुर, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 23rd September, 1986

NOTIFICATION

S.R.O. 12(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Civilians in Defence Services (Revised Pay) Rules, 1986.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of January, 1986.

2. Categories of Government servants to whom the rules apply.—(1) Save as otherwise provided by or under these rules, these rules shall apply to persons appointed to civil services and posts in Defence Services whose pay is debitable to the Defence Services Estimates.

(2) These rules shall not apply to:—

- (a) Government servants in a Group 'A' service or holding a Group 'A' post;
- (b) permanent employees of former Indian States absorbed in Civil Services and posts in connection with the affairs of the Union, but governed by the pre-absorption conditions of service under the Central Civil Services (Part B States Transferred Employees) Rules, 1953;
- (c) persons locally recruited for service in Diplomatic Consular or other Indian establishments in foreign countries;
- (d) persons not in whole-time employment;
- (e) persons paid out of contingencies;
- (f) persons paid otherwise than on a monthly basis including those paid only on a piece-rate basis;
- (g) persons employed on contract except where the contract provides otherwise;
- (h) persons re-employed in Government service after retirement;
- (i) any other class or category of persons whom the President may, by order, specifically exclude from the operation of all or any of the provisions contained in these rules.

3. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires:—

- (1) "basic pay" means pay as defined in Fundamental Rule 9(21)(a)(i);
- (2) "existing scale" in relation to a Government servant means the present scale applicable to the post held by the Government servant (or, as the case may be, personal scale applicable to him) as on the 1st day of January, 1986 whether in a substantive or officiating capacity.

Explanation.—In the case of a Government servant, who was on the 1st day of January, 1986 on deputation out of India or on leave or on foreign service, or who would have on that day officiated in one or more lower posts but for his officiating in a higher post, "existing scale" includes the scale applicable to the post which he would have held but for his being on deputation out of India or on leave or on foreign service or, as the case may be, but for his officiating in a higher post;

(3) "Present scale" in relation to any post specified in column 2 of the first schedule means the scale of pay specified against that post in column 3 thereof;

(4) "revised emoluments" means the basic pay of a Government servant in the revised scale and includes the revised non-practising allowance, if any, admissible to him, in addition to the pay in the revised scale;

(5) "revised scale" in relation to any post specified in column 2 of the First Schedule means, the scale of pay specified against that post in column 4 thereof unless a different revised scale is notified separately for that post;

(6) "Schedule" means a schedule annexed to these rules.

4. Scale of pay of posts.—As from the date of commencement of these rules, the scale of pay of every post specified in column 2 of the First Schedule shall be as specified against it in column 4 thereof.

5. Drawal of pay in the revised scales.—Save as otherwise provided in these rules, a Government servant shall draw pay in the revised scale applicable to the post to which he is appointed :

Provided that a Government servant may elect to continue to draw pay in the existing scale until the date on which he earns his next or any subsequent increment in the existing scale or until he vacates his post or ceases to draw pay in that scale.

Explanation 1.—The option to retain the existing scale under the proviso to this rule shall be admissible only in respect of one existing scale.

Explanation 2.—The aforesaid option shall not be admissible to any person appointed to a post on or after the 1st day of January, 1986, whether for the first time in Government service, or by transfer or promotion from another post and he shall be allowed pay only in the revised scale.

Explanation 3.—Where a Government servant exercises the option under the proviso to this rule to retain the existing scale in respect of a post held by him in an officiating capacity on a regular basis for the purpose of regulation of pay in that scale under Fundamental Rule 22 or Fundamental Rule 31, or any other rule or order applicable to that post, his substantive pay shall be the substantive pay which he would have drawn had he retained the existing scale in respect of the permanent post on which he holds a lien or would have held a lien had his lien not been suspended or the pay of the officiating post which has acquired the character of substantive pay in accordance with any order for the time being in force, whichever is higher.

6. Exercise of Option.—

(1) The option under the proviso to rule 5 shall be exercised in writing in the form appended to the Second Schedule so as to reach the authority mentioned in sub-rule (2) within three months of the date of publication of these rules or where an existing scale has been revised by any order made subsequent to that date, within three months of the date of such order:

Provided that—

- (i) in the case of a Government servant who is, on the date of such publication or, as the case may be, date of such order, out of India on leave or deputation or foreign service or active service, the said option shall be exercised in writing so as to reach the said authority within three months of the date of his taking charge of his post in India; and

- (1) Where a Government servant is under suspension on the 1st day of January, 1986, the option may be exercised within three months of the date of his return to his duty if that date is later than the date prescribed in this sub-rule.
- (2) The option shall be intimated by the Government servant to the Head of his Office.
- (3) If the intimation regarding option is not received within the time mentioned in sub-rule (1), the Government servant shall be deemed to have elected to be governed by the revised scale of pay with effect on and from the 1st day of January, 1986.
- (4) The option once exercised shall be final.

Note 1.—Persons whose services were terminated on or after the 1st January, 1986 and who could not exercise the option within the prescribed time limit, on account of death, discharge on the expiry of the sanctioned posts, resignation, dismissal or discharge on disciplinary grounds, are entitled to the benefits of this rule.

Note 2.—Persons who have died on or after the 1st day of January, 1986 and could not exercise the option within the prescribed time limit be deemed to have opted for the revised scales on and from the 1st day of January, 1986 or such later date as is most beneficial to their dependents, if the revised scales are more favourable and in such cases, necessary action for payment of arrears should be taken by the Head of Office.

7. Fixation of initial pay in the revised scale.—(1) The initial pay of a Government servant who elects, or is deemed to have elected under sub-rule (3) of rule 6 to be governed by the revised scale on and from the 1st day of January, 1986, shall, unless in any case the President by special order otherwise directs, be fixed separately in respect of his substantive pay in the permanent post on which he holds a lien or would have held a lien if it had not been suspended, and in respect of his pay in the officiating post held by him, in the following manner, namely:—

(A) in the case of all employees.—

- (i) an amount representing 20 per cent of the basic pay in the existing scale, subject to a minimum of Rs. 75, shall be added to the "existing emoluments" of the employee;
- (ii) after the existing emoluments have been so increased, the pay shall thereafter be fixed in the revised scale at the stage next above the amount thus computed;

Provided that—

- (a) if the minimum of the revised scale is more than the amount so arrived at, the pay shall be fixed at the minimum of the revised scale;
- (b) if the amount so arrived at is more than the maximum of the revised scale, the pay shall be fixed at the maximum of that scale.

Explanation.—For the purpose of this clause "existing emoluments" shall include,—

- (a) the basic pay in the existing scale;
- (b) dearness pay, additional dearness allowance and ad hoc dearness allowance appropriate to the basic pay admissible at index average 608 (1960=100); and
- (c) the amounts of first and second instalments of interim relief admissible on the basic pay in the existing scale;

(B) in the case of employees who are in receipt of special pay in addition to pay in the existing scale and where the existing scale with special pay has been replaced by a scale of pay without any special pay, the pay shall be fixed in the revised scale in accordance with the provisions of clause (A) above except that in such cases "existing emoluments" shall include—

- (a) the basic pay in the existing scale;
- (b) existing amount of special pay;
- (c) dearness pay, additional dearness allowance and ad hoc dearness allowance appropriate to the basic pay and special pay admissible at index average 608 (1960=100) under the relevant orders; and
- (d) the amounts of first and second instalments of interim relief admissible on the basic pay in the existing scale and special pay under the relevant orders;

(C) in the case of employees who are in receipt of special pay in addition to pay in the existing scales and in whose case special pay continues with the revised scale of pay either at the same rate or at a different rate, the pay in the revised scale shall be fixed in accordance with the provisions of clause (A) above with reference to existing emoluments calculated in accordance with the Explanation thereto, after excluding the existing special pay and the amounts admissible thereon with reference to dearness pay, additional dearness allowance and ad hoc dearness allowance and in such cases special pay at the new rate shall be drawn in addition to the pay so fixed in the revised scale;

(D) in the case of medical officers who are in receipt of non-practising allowance, the pay in the revised scale shall be fixed in accordance with the provisions of clause (A) above except that in such cases the term "existing emoluments" shall include only:—

- (a) the basic pay in the existing scale;
- (b) dearness pay, additional dearness allowance and ad hoc dearness allowance appropriate to the basic pay and non-practising allowance admissible at index average 608 (1960=100) under the relevant orders; and
- (c) the amounts of first and second instalments of interim relief admissible on the basic pay in the existing scale and non-practising allowance under the relevant orders,

and in such cases, non-practising allowance at the new rates shall be drawn in addition to the pay so fixed in the revised scale.

Note 1.—Where a Government servant is holding a permanent post and is officiating in a higher post on a regular basis and the scales applicable to these two posts are merged into one scale, the pay shall be fixed under this sub-rule with reference to the officiating post only, and the pay so fixed shall be treated as substantive pay.

The provisions of this Note shall apply, mutatis mutandis, to Government servants holding in an officiating capacity posts on different existing scales which have been replaced by a single revised scale.

Note 2.—Where the existing emoluments as calculated in accordance with clause (A), clause (B), clause (C) or clause (D), as the case may be, exceed the revised emoluments in the case of any Government servant, the difference shall be allowed, as personal pay to be absorbed in future increases in pay.

Note 3.—Where in the fixation of pay under sub-rule (i) the pay of Government servants drawing pay at more than five consecutive stages in an existing scale gets bunched, that is to say, gets fixed in the revised scale at the same stage, the pay in the revised scale of such of these Government servants who are drawing pay beyond the first five consecutive stages in the existing scale shall be stepped up

to the stage where such bunching occurs, as under, by the grant of increment(s) in the revised scale in the following manner, namely:—

- for Government servants drawing pay from the 6th upto the 10th stage in the existing scale—By one increment;
- for Government servants drawing pay from the 11th upto the 15th stage in the existing scale, if there is bunching beyond the 10th stage—By two increments;
- for Government servants drawing pay from the 16th upto the 20th stage in the existing scale, if there is bunching beyond the 15th stage—By three increments.

If by stepping up of the pay as above, the pay of a Government servant gets fixed at a stage in the revised scale which is higher than the stage in the revised scale at which the pay of a Government servant who was drawing pay at the next higher stage or stages in the same existing scale is fixed, the pay of the latter shall also be stepped up only to the extent by which it falls short of that of the former.

Note 4.—Where in the fixation of pay under sub-rule (1) pay of a Government servant, who, in the existing scale was drawing immediately before the 1st day of January, 1986 more pay than another Government servant junior to him in the same cadre, gets fixed in the revised scale at a stage lower than that of such junior, his pay shall be stepped upto the same stage in the revised scale as that of the junior.

Note 5.—Where a Government servant is in receipt of personal pay on the 1st day of January, 1986, which together with his existing emoluments as calculated in accordance with clause (A), clause (B), clause (C) or clause (D), as the case may be, exceeds the revised emoluments, then, the difference representing such excess shall be allowed to such Government servant as personal pay to be absorbed in future increases in pay.

Note 6.—In the case of employees who are in receipt of personal pay for passing Hindi Pragya, Hindi Typewriting, Hindi Shorthand and such other examinations under the "Hindi Teaching Scheme", or, on successfully undergoing training in cash and accounts matters prior to the 1st day of January, 1986, while the personal pay shall not be taken into account for purposes of fixation of initial pay in the revised scales, they would continue to draw personal pay after fixation of their pay in the revised scale on and from the 1st day of January, 1986 or subsequently for the period for which they would have drawn it but for the fixation of their pay in the revised scale. The quantum of such personal pay would be paid at the appropriate rate of increment in the revised scale from the date of fixation of pay for the period for which the employee would have continued to draw it.

Explanation.—For the purpose of this Note, "appropriate rate of increment in the revised scale" means the amount of increment admissible at and immediately beyond the stage at which the pay of the employee is fixed in the revised scale.

Note 7.—In cases, where a senior Government servant promoted to a higher post before the 1st day of January, 1986 draws less pay in the revised scale than his junior who is promoted to the higher post on or after the 1st day of January, 1986, the pay of the senior Government servant should be stepped up to an amount equal to the pay as fixed for his junior in that higher post. The stepping up should be done with effect from the date of promotion of the junior Government servant subject to the fulfilment of the following conditions, namely:—

- both the junior and the senior Government servants should belong to the same cadre and the posts in which they have been promoted should be identical in the same cadre;
- the pre-revised and revised scales of pay of the lower and higher posts in which they are entitled to draw pay should be identical, and
- the anomaly should be directly as a result of the application of the provisions of Fundamental Rule 22-C or any other rule or order regulating

pay fixation on such promotion in the revised scale. If, on the 1st day of January, 1986, the junior officer was drawing pay less than the pay in the pre-revised scale than the higher or virtue of any advance increments granted to him, provisions of this Note need not be invoked to step up the pay of the senior officer.

The orders relating to refixation of the pay of the senior officer in accordance with the above provisions should be issued under Fundamental Rule 27 and the senior officer will be entitled to the next increment on completion of his required qualifying service with effect from the date of refixation of pay.

(2) Subject to the provisions of rule 5, if the pay as fixed in the officiating post under sub-rule (1) is lower than the pay fixed in the substantive post, the former shall be fixed at the stage next above the substantive pay.

8. Date of next increment in the revised scale.—The next increment of a Government servant whose pay has been fixed in the revised scale in accordance with sub-rule (1) of rule 7 shall be granted on the date he would have drawn his increment had he continued in the existing scale:

Provided that in cases where the pay of a Government servant is stepped up in terms of Note 3 or Note 4 or Note 7 to sub-rule (1) of rule 7, the next increment shall be granted on the completion of qualifying service of twelve months from the date of stepping up of the pay in the revised scale;

Provided further that in cases other than those covered by the preceding proviso, the next increment of a Government servant, whose pay is fixed on the 1st day of January, 1986 at the same stage as the one fixed for another Government servant junior to him in the same cadre and drawing pay at lower stage than his in the existing scale, shall be granted on the same date as admissible to his junior, if the date of increment of the junior happens to be earlier:

Provided also that in the case of persons who had been drawing maximum of the existing scale for more than a year as on the 1st day of January, 1986, next increment in the revised scale shall be allowed on the 1st day of January, 1986;

Provided also that in the case of Government servants who were in receipt of an ad hoc increment on their stagnating for more than two years at the maximum of the existing scale of pay as on the 1st day of January, 1986, one more increment in the revised scale shall be allowed to them on the 1st day of January, 1986, in addition to the increment already allowed under the preceding proviso.

Note 1.—Wherever the pay has been fixed in terms of the above provisos the efficiency bar will become operative only with reference to such bars in the revised scale, irrespective of whether a Government servant had crossed or not crossed or had been held up at the efficiency bar in the existing scale.

Note 2.—The benefit of additional increment under the fourth proviso will also be notionally admissible to a Government servant in the scale in which he would have got an ad hoc increment on his stagnating for more than two years at the maximum of the existing scale of pay as on the 1st day of January, 1986 but for his holding higher officiating post, subject to the maximum of the revised scale not being exceeded, irrespective of whether he was actually in receipt of the ad hoc increment or not.

Note 3.—Where by the grant of two additional increments in terms of the third and fourth provisos in the revised scale applicable to the substantive post, the substantive pay of a Government servant exceeds his officiating pay at any time, the Government servant may be allowed, in addition to officiating pay, the difference between the officiating pay and substantive pay as personal pay to be absorbed in future increments for the periods during which the substantive pay exceeds the officiating pay.

Note 4.—In cases where two existing scales, one being a promotional scale for the other, are merged, and the junior Government servant, now drawing his pay in the lower scale, is receiving personal pay for stagnating in that scale, and happens to draw more pay in the revised scale due to grant of additional increment under Notes 2 and 3 above, than the pay of the senior Government servant in the existing higher scale, the pay of the senior Government servant in the revised scale shall be stepped up to that of his junior from the same date and he shall draw next increment after completing the qualifying period from the date of such stepping up of pay.

9. Fixation of pay in the revised scale subsequent to the 1st day of January, 1986.—Where a Government servant continues to draw his pay in the existing scale and is brought over to revised scale from a date later than the 1st day of January, 1986, his pay from the later date in the revised scale shall be fixed under the Fundamental Rules or any other rule or order applicable to that post and for this purpose his pay in the existing scale shall have the same meaning as of existing emoluments as calculated in accordance with clause (A), clause (B), clause (C) or clause (D), as the case may be, of sub-rule (1) of rule 7 except that the basic pay to be taken into account for calculation of these emoluments will be the basic pay on the later date aforesaid and where the Government servant is in receipt of special pay or non-practising allowance, his pay shall be fixed after deducting from those emoluments an amount equal to the special pay or non-practising allowance, as the case may be, at the revised rates appropriate to the emoluments so calculated.

10. Fixation of pay on reappointment after the 1st day of January, 1986 to a post held prior to that date.—A Government servant who had officiated in a post prior to the 1st day of January, 1986 but was not holding that post on that date and who on subsequent appointment to that post draws pay in the revised scale of pay shall be allowed the benefit of the proviso to Fundamental Rule 22 or the fourth proviso to Fundamental Rule 22-C, as the case may be, to the extent it would have been admissible had he been holding that post on the 1st day of January, 1986, and had elected the revised scale of pay on and from that date.

11. Mode of payment of arrears of pay.—Notwithstanding anything contained in these rules, the arrears of pay to which any Government servant may be entitled in respect

of the relevant period under these rules shall be paid to the Government servant either in cash or by crediting the same to the provident fund account of the Government servant or by crediting the same to a special savings account to be opened in the name of the Government servant or partly in cash and partly by all or any of the other modes aforesaid, as the President may, by order, determine in this behalf.

Explanation.—For the purposes of this rule—

(a) “arrears of pay”, in relation to a Government servant, means the difference between—

(i) the aggregate of the pay and allowances to which he is entitled on account of the revision of his pay and allowances under these rules, for the relevant period; and

(ii) the aggregate of the pay and allowances to which he would have been entitled (whether such pay and allowances had been received or not) for that period had his pay and allowances not been so revised;

(b) “relevant period” means the period commencing on the 1st day of January, 1986 and ending with the 30th day of September, 1986.

12. Overriding effect of Rules.—The provisions of the Fundamental Rules, or any other rule or order applicable to that post the Civilian in Defence Services (Revision of Pay) Rules, 1947, the Civilian in Defence Services (Revised Pay) Rules, 1973 shall not, save as otherwise provided in these rules, apply to cases where pay is regularised under these rules, to the extent they are inconsistent with these rules.

13. Power to relax.—Where the President is satisfied that the operation of all or any of the provisions of these rules causes undue hardship in any particular case, he may, by order, dispense with or relax the requirements of that rule to such extent and subject to such conditions he may consider necessary for dealing with the case in a just and equitable manner.

14. Interpretation.—If any question arises relating to the interpretation of any of the provisions of these rules, it shall be referred to the Central Government for decision.

THE FIRST SCHEDULE

(See Rules 3 & 4)

PART—A

Revised scales for posts carrying present scales in Groups 'D', 'C' & 'B' except posts for which different revised scales are notified separately.

S. No.	Posts	Present scale	Revised scale	
1	2	3	4	
		Rs.	Rs.	
GROUP 'D'				
1.	All posts carrying present scales specified in Column 3.	(a) 160-2-170 (b) 180/- (Fixed) (c) 196-3-220-EB-3-232 (d) 201-3-212-4-232-EB-4-240 (Selection Grade)	750/- (Fixed) 750-12-870-EB-14-940	Until the employees concerned are brought over on the regular scale after attaining the prescribed age of recruitment.

1	2	3	4
2.	All posts carrying present scales speci- fied in column 3.	(a) 200-3-206-4-234-EB-4-250 (b) 200-3-212-4-232-EB-4-240-5-250 (c) 210-4-226-EB-4-250 (d) 200-3-212-4-232-EB-4-240	} 775-12-9-3-EB-14-1025
3.	-do-	(a) 210-4-250-EB-5-270 (b) 210-4-250-EB-4-270 (c) 210-4-226-EB-4-250-EB-5-290	} 800-15-1010-EB-20-1150
GROUPS 'C' AND 'D'			
4.	-do-	225-5-260-6-290-EB-6-308	825-15-900-EB-20-1200
5.	-do-	(a) 225-5-260-6-326-EB-8-370 (b) 260-6-326-EB-8-350	} 970-20-1150-EB-25-1400
6.	-do-	(a) 260-6-290-EB-6-326-8-360-EB- 8-390-10-400 (b) 290-6-326-EB-8-350	} 950-20-1150-EB-25-1500
7.	-do-	(a) 260-8-300-EB-8-340-10-350-EB- 10-430 (b) 290-6-326-8-350-EB-8-390-10-400	} 975-25-1150-EB-30-1540
8.	-do-	260-8-300-EB-8-340-10-360-12-420 -EB-12-480	975-25-1150-EB-30-1660
9.	-do-	320-6-326-8-390-10-400	1150-25-1500
10.	-do-	(a) 330-8-370-10-400-EB-10-450 (b) 330-8-370-10-400-EB-10-480	} 1200-30-1440-EB-30-1800
11.	-do-	(a) 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560 (b) 330-10-350-EB-380-15-500-EB- 15-560 (c) 330-8-370-10-400-EB-10-500-15-530 (d) 290-8-330-10-380-EB-12-500-EB- 15-560 (e) 290-10-350-EB-12-410-EB-15-500	} 1200-30-1560-EB-40-2040
12.	-do-	(a) 380-12-500-15-530 (b) 380-12-500-EB-15-560	} 1320-30-1560-EB-40-2040
13.	-do-	(a) 380-12-440-EB-15-560-EB-20-620 (b) 380-12-440-EB-15-560-EB-20-640 (c) 425-15-530-EB-15-560-20-600 (d) 470-15-560-20-580	} 1350-30-1440-40-1800-EB-50-2200

1	2	3	4
14.	All posts carrying present scales specified in Col. 3	(a) 425-15-560-EB-20-640 (b) 425-15-500-EB-15-560-20-700 (c) 455-15-560-EB-20-700	1 } 1400-40-1800-EB-50-2300 J
15.	-do-	(a) 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB- 25-800 (b) 425-15-500-EB-15-560-20-640-EB- 20-700-25-750	1 } 1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600 J
		(c) 440-15-515-EB-15-560-20-700-EB- 25-750 (d) 470-15-530-EB-20-650-EB-25-750 (e) 440-20-500-EB-25-700-EB-25-750	1 } 1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600 J
16.	-do-	(a) 550-20-650-25-800 (b) 550-20-650-25-750 (c) 550-20-650-25-700 (d) 550-25-750	1 } 1600-50-2300-EB-60-2600 J
17.	-do-	(a) 500-20-700-EB-25-900 (b) 500-25-750-30-900 (c) 550-20-650-25-750-EB-30-900 (d) 550-25-900 (e) 550-25-750-EB-30-900	1 } 1640-60-2600-EB-75-2900 J
18.	-do-	(a) 650-30-740-35-880-EB-40-960 (b) 700-30-760-35-900 (c) 650-30-740-35-880-EB-40-1040 (d) 775-35-880-40-1000	1 } 2000-60-2300-EB-75-3800 J
19.	-do-	650-30-710	2000-60-2120
20.	-do-	(a) 650-30-740-35-810-EB-35-880-40- 1000-EB-40-1200 (b) 650-45-1010-EB-45-1100-50-1200 (c) 775-35-880-40-1000-EB-40-1200	1 } 2000-60-2300-EB-75-3900-100-3500 J
21.	-do-	(a) 840-40-1000-EB-40-1200 (b) 840-40-1040	1 } 2375-75-3200-EB-100-3900 J

NOTE :—Except as otherwise provided, in the case of an employee drawing pay in the Selection Grade before the date of publication of these rules, his pay shall be fixed in the revised scale corresponding to such Selection Grade and the said pay shall be personal to such employee.

PART-B

Revised scales of pay for certain other Categories of Staff

Sl. No.	Posts	Present scale	Revised scale
1	2	3	4
		Rs.	Rs.
I. WORKSHOP STAFF			
1.	All posts carrying the present scales specified in Column 3.	196-3-220-EB-3-232	750-12-870-EB-14-940
2.	All posts carrying the present scales specified in Column 3	(i) 210-4-250-EB-3-270 (ii) 210-4-226-EB-4-250-EB-5-290	800-15-1010-EB-20-1150
3.	-do-	(i) 260-6-326-EB-8-350 (ii) 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400 (iii) 320-6-326-8-390-10-400	950-20-1150-EB-25-1500
4.	-do-	330-8-370-10-400-EB-10-480	1200-30-1440-EB-30-1800
5.	-do-	380-12-500-EB-15-560	1320-30-1560-EB-40-2040
6.	-do-	425-15-560-EB-20-640	1400-40-1800-EB-50-2300
7.	Technical Supervisors All posts carrying the present scales specified in Column 3	(i) 380-12-500-EB-15-560. (ii) 380-12-440-EB-15-560-EB-20-640 (iii) 425-15-530-EB-15-560-20-600. (iv) 425-15-560-EB-20-640 (v) 425-15-500-EB-15-560-20-700 (vi) 455-15-560-EB-20-700 (vii) 550-20-650-25-730 (viii) 550-20-650-25-800 (ix) 700-30-760-35-900 (x) 650-30-740-35-880-EB-40-960 (xi) 840-40-1040 (xii) 840-40-1000-EB-40-1200	1400-40-1800-EB-50-2300 1600-50-2300-EB-60-2660 2000-60-2300-EB-75-3200 2375-75-3200-EB-100-3500
II. OFFICE STAFF WORKING IN ORGANISATIONS OUT SIDE THE SECRETARIAT			
Stenographer Gr. III	330-10-380-EB-12-500-EB-15-560	1200-30-1560-EB-40-2040	
Stenographer Gr. II	425-15-500-EB-15-560-20-700	1400-40-1800-EB-50-2300	
Stenographer Gr. I	550-25-750-EB-30-900	1640-60-2600-EB-75-2900 2000-60-2300-EB-75-3200 for posts of Stenographers attached to officers of Senior Administrative Grade and equivalent posts by suitably upgrading the required number of posts of Stenographers from the lower grades. These posts in the new higher scale should be filled by promotion as per normal procedure.	

1	2	3	4
		Rs.	Rs.
III TEACHING STAFF			
1. Primary School Teacher	330-10-350-EB-380-15-500-EB-15-560	1200-30-1560-EB-40-2040	Those teachers who are not in the existing scales of pay mentioned in Col. 3 may be given the revised scales mentioned in this Col. only after ensuring that they have the prescribed qualifications. Those who do not possess prescribed qualifications will be given the revised scales mentioned in Part 'A' of this Schedule, which correspond to their existing scales.
2. Trained Graduate Teacher/Head Master, Primary School	440-20-500-EB-25-700-EB-25-750	1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600	
3. Post Graduate Teacher/Head Master, Middle School	550-25-750-EB-30-900	1640-60-2600-EB-75-2900	
4. Primary School Teacher (SG)	530-20-630	1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600	
5. Trained Graduate Teachers (SG)/ Head Master, Primary School (SG)	740-35-880	1640-60-2600-EB-75-2900	
6. Post Graduate Teacher(SG)/Head Master, Middle School(SG)	775-35-880-40-1000	2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500	
7. Vice-Principal/Head Master	650-30-740-35-810-EB-35-890-40-1000-EB-40-1200	2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500	The Selection Grade indicated in this column will be admissible only to those teachers who are already in the existing Selection Grade scales mentioned in column 3.
IV LABORATORY TECHNICIANS			
1. Laboratory Assistant	290-10-350-EB-12-410-EB-15-500	1200-30-1560-EB-40-2040	
V MOTOR VEHICLE DRIVER			
Drivers of Motor Vehicles including Staff Cars.	(i) 260-6-326-EB-8-350 (ii) 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400	} 950-20-1150-EB-25-1500	
VI. OTHER CATEGORIES OF STAFF (COOK AND BEARER)			
Cooks/Cook Bearers/ Butlers/Bearers/ Attendants/Waiters, etc.	1. 196-3-220-EB-3-230 2. 200-3-212-4-232-EB-4-240 3. 200-3-206-4-234-EB-4-250 4. 210-4-250-EB-5-270. 5. 210-4-226-EB-4-250-EB-5-290 6. 225-5-260-6-290-EB-6-308 7. 260-6-326-EB-8-350 8. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400 9. 290-6-326-8-350-EB-8-390-10-400 10. 320-6-326-8-390-10-400 11. 330-8-370-10-400-EB-10-480 12. 360-12-500-EB-15-560	} 750-12-870-EB-14-940 775-12-955-EB-14-1025 } 800-15-1010-EB-20-1150 825-15-900-EB-20-1200 } 950-20-1150-EB-25-1500 } 1200-30-1440-EB-30-1800 1320-30-1560-EB-40-2040	The Ministry to review the work content of the posts carrying the scale of Rs. 225-308 so that they are classified as carrying either the scale of Rs. 800-1150 or 950-1500. But the existing incumbents of these posts will continue in the revised scale of Rs. 825-15-900-EB-20-1200 as personal to them unless they are found fit for being placed in the scale of Rs. 950-1500.
VII. PARA MEDICAL STAFF			
1. Radiographers/X-Ray Technicians/Pharmacists	330-10-380-EB-12-500-EB-15-560	1350-30-1440-40-1800-EB-50-2200	
2. S.G. Radiographers/ X-Ray Technicians/ Pharmacists (S.G.) X Ray Technicians	425-15-560-EB-20-640 425-15-500-EB-15-560-20-700	} 1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600	

1	2	3	4
	Rs.	Rs.	
4.	Auxiliary Nurse/ Midwifery and Midwife (ANM) (i) 260-6-326-EB-8-350 Midwife (Ordinary Grade) 390-10-400	975-25-1150-EB-30-1540 (There will also be a promotional grade in scale of Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040 requiring promotion as per normal procedure.)	
5.	Staff Nurse/ Senior Nurse Gd. II (i) 425-15-560-EB-20-540 (ii) 425-15-500-EB-15-560-20-700	1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600	
6.	Nursing Sister/ Public Health Nurse/ Senior Nurse Grade I (i) 455-15-560-EB-20-700 (ii) 470-15-530-EB-20-650-EB-25-750 (iii) 550-20-650-25-700	1640-60-2600-EB-75-2900	
7.	Nursing Staff (Supervisory) (i) 550-20-650-25-750 Senior Matron/ Matron Public Health Nursing Supervisor (ii) 550-25-750-EB-30-900 (iii) 650-30-740-35-880-EB-40-960 (iv) 700-30-760-35-900	2000-60-2300-EB-75-1200	

VIII. ARMED FORCES HEADQUARTERS STENOGRAPHERS SERVICE

1. Duty posts included in Grade 'B' of APHQSS	650-30-740-35-880-EB-40-1040	2000-50-2300-EB-75-3200-
2. Duty posts included in Grade 'A' of CSS	650-30-740-35-810-EB-35-880-40-100-3500 1000-EB-40-1200	

THE SECOND SCHEDULE

Form of Option

(See Rule 6(i))

*(i) I..... hereby elect the revised scale(s) with effect from 1st January, 1986.

*(ii) I..... hereby elect to continue on the existing scale of pay of my substantive/officiating post mentioned below :

*the date of my next increment
the date of my subsequent increment raising my pay to Rs.
I vacate or cease to draw pay in the existing scale.

Existing scale.....

Signature.....

Name.....

Designation.....

Office in which employed.....

Date :

Station :

*To be scored out if not applicable.

**MEMORANDUM EXPLANATORY TO THE CIVILIANS IN DEFENCE SERVICES
(REVISED PAY) RULES, 1986.**

Rule 1 — This rule is self-explanatory.

Rule 2 — This rule lays down the categories of employees to whom the rules apply. Except for the categories excluded under clause (2), the rules are applicable to all persons under the rule making control of the President serving in Departments paid from Defence Services Estimates. The rules, however, apply to work charged establishments.

Rule 3 — This rule is self-explanatory.

Rule 4 — In respect of such employees as are presently in Group 'B' or Group 'C' and for whom the Pay Commission has recommended scales as applicable to any category of Group 'A' employee, this rule shall not apply till such time as the scales applicable to such employees are notified.

Rule 5 — The intention is that all Government servants should be brought over to the revised scales except those who elect to draw pay in the existing scales. Those who exercise the option to continue on the existing scales of pay will continue to draw the dearness pay, dearness allowance, ad-hoc dearness allowance and interim reliefs at the rates in force on the 1st January, 1986 and the dearness

pay will count towards house rent and compensatory allowances, emoluments for pensions, etc. to the extent it so counted on the said date. If a Government servant is holding a permanent post in a substantive capacity and officiating in a higher post or would have officiated in one or more posts but for his being on deputation etc., he has the option to retain the existing scale only in respect of one scale. Such a Government servant may retain the existing scale applicable to a permanent post or any one of the officiating posts. In respect of the remaining posts he will necessarily have to be brought over to the revised scales.

Explanation 3 to Rule 5 — As a Government servant will have the option to retain the existing scale in respect of only the substantive or any officiating post a Government servant who retains the existing scale in respect of his officiating post will be brought over to the revised scale in respect of his substantive post. In the revised scale of substantive post DP/ADA/ad-hoc DA stands merged in the revised pay, whereas in the officiating scale he will be allowed the existing rates of dearness pay and ADA/ad-hoc DA. If his pay were to be refixed in the existing scale of the higher officiating post with reference to the pay on the revised scale in the substantive post, it will give him the benefit of dearness allowance, dearness pay and interim relief twice over. The explanation is designed to avoid such unintended benefit.

Rule 6 — This rule prescribes the manner in which option has to be exercised and also the authority who should be apprised of such option. The option has to be exercised in the appropriate form appended to the rules. It should be noted that it is not sufficient for a Government servant to exercise the option within the specified time limit but also to ensure that it reaches the prescribed authority within the time limit. In the case of persons who are outside India at the time these rules are promulgated, the period within which the option has to be exercised is three months from the date they take over charge of the post in India. In the case of Government servants the revised scales of whose posts are announced subsequent to the date of issue of these rules, the period of three months will run from the date of such announcement.

Persons who have retired between 1st January, 1986 and the date of issue of these rules are also eligible to exercise option.

Rule 7(1) — This rule deals with the actual fixation of pay in the existing scales on 1st January, 1986. A few illustrations indicating the manner in which pay of Government servants should be fixed under this sub-rule subject to stepping up of pay under Notes below rule 7(1) are given below :—

Illustration No. 1

1. Existing scale of pay	— Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.
2. Proposed scale of pay	— Rs. 950-20-1150-EB-25-1500.
3. Existing basic pay	— Rs. 342.00
4. DP/ADA at index average 60%	— Rs. 662.50
5. Two instalments of interim relief	— Rs. 110.00
6. Existing emoluments	— Rs. 1114.50
7. Add 20% of basic pay subject to minimum of Rs. 75/-	— Rs. 75.00
Total =	— Rs. 1189.50
Pay to be fixed in proposed scale	— Rs. 1200.00

Illustration No. 2

1. Existing scale of pay	— Rs. 550-20-650-25-750-plus special pay of Rs. 60/-
2. Proposed scale of pay	— Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 (without any special pay)
3. Existing basic pay plus special pay	— Rs. 700.00 + Rs. 60.00
4. DP/ADA at index average 60% on basic pay and special pay	— Rs. 1143.80
5. Two instalments of interim relief	— Rs. 140.00
6. Existing emoluments	— Rs. 2043.80
7. Add 20% of basic pay	— Rs. 140.00
Total =	— Rs. 2183.80
Pay to be fixed in proposed scale	— Rs. 2240/- (without any special pay)

Illustration No. 3

1. Existing scale of pay	— Rs. 210-4-250-EB-5-270 (with special pay of Rs. 10/-)
2. Proposed scale of pay	— Rs. 800-15-1010-EB-20-1150 with special pay of Rs. 20/-
3. Existing basic pay	— Rs. 230.00
4. DP/ADA at index average 60%	— Rs. 463.50
5. Two instalments of interim relief	— Rs. 100.00
6. Existing emoluments	— Rs. 793.50
7. Add 20% of basic pay subject to a minimum of Rs. 75/-	— Rs. 75.00
Total =	— Rs. 868.50
Pay to be fixed in proposed scale of pay	— Rs. 875.00 plus special pay of Rs. 20/-

Rule 7(2) — This follows the provisions of FR 31(2). It should be noted that the benefit of this rule is not admissible in cases where a Government servant has elected the revised scale in respect of his substantive post, but has retained the existing scale in respect of an officiating post.

Rule 9 — This rule prescribes the manner in which the next increment in the new scale should be regulated. The provisions to this rules are intended to eliminate the anomalies of junior Government servants drawing more pay than their senior by the operation of the substantive part of this rule and also taking care of the Government servants who have been drawing pay at the maximum of the existing scale for more than one year as on 1-1-1986 and also those Government servants who have been stagnating at the maximum of the existing scale and are actually in receipt of stagnation increment on ad hoc basis.

Rule 9 to 14 — These rules are self-explanatory.

Explanatory Memorandum :

The Civilians in Defence Services (Revised Pay) Rules, 1986 have been made to implement the recommendations made by the Fourth Pay Commission with respect to the pay scales of Group 'B', Group 'C' and Group 'D' employees of the Government. Even though the Commission has suggested the revision of pay scales from 1st April, 1986, the Government has decided to give effect to such recommendations from 1st January, 1986 in order to provide greater benefit to the Government servants in general. Accordingly, the rules are being given retrospective effect from 1st January, 1986. It is certified that the retrospective effect being given to these rules will not effect adversely any employee to whom these rules apply.

(No. A/26023/5/86/D(PC))

V. N. BAHADUR, Jr. Secy.